

वैश्विक समावेशी समृद्धि सूचकांक

प्रीलिमिंस के लिये:

वैश्विक समावेशी समृद्धि सूचकांक, PICSA

मेन्स के लिये:

आर्थिक और सामाजिक समावेश संबंधी मुद्दे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तरी स्पेन के बलिबाओ में पहली बार 'प्रॉस्पेरिटी एंड इनक्लूजन सिटी सील एंड अवार्ड्स' (Prosperity and Inclusion City Seal and Awards- PICSA) सूचकांक जारी किया गया।

प्रमुख बटु:

- सूचकांक में वैश्विक आर्थिक और सामाजिक समावेश के मामले में विश्व के शीर्ष 113 शहरों में 3 भारतीय शहरों को स्थान दिया गया है।
- इस सूची में बंगलुरु 83वें, दल्लि 101वें और मुंबई 107वें स्थान पर हैं।
- समावेशी समृद्धि सूचकांक में शीर्ष तीन स्थानों पर क्रमशः ज्यूरख, वयिना और कोपेनहेगन है।
- इस सूची में बलिबाओ को 20वाँ स्थान प्राप्त हुआ है।
- शीर्ष 20 शहरों को समावेशी समृद्धि के निर्माण के लिये PICSA सील से सम्मानित किया गया।
- चीनी गणराज्य का ताइपे शहर (6) एकमात्र एशियाई शहर है जो शीर्ष 20 शहरों में स्थान बना सका है।
- दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल लंदन और न्यूयॉर्क क्रमशः 33वें और 38वें स्थान पर रहे।
- सूची में सबसे नचिले पायदान पर मसिर की राजधानी काहरि (113) है।

वैश्विक समावेशी समृद्धि सूचकांक:

- यह सूचकांक बास्क संस्था की ओर से डी एंड एल पार्टनर्स (D&L Partners) ने तैयार किया है।
- यह सूचकांक किसी शहर का केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि विकास की गुणवत्ता और जनसंख्या के बीच इसके वितरण को भी दर्शाता है।
- इसके तहत अर्थव्यवस्था में लोगों की स्थितिका समग्र रूप से अध्ययन किया गया।
- इस सूचकांक में अध्ययन को 3 पलिरस के अंतर्गत श्रेणीबद्ध किया गया है।
- पलिर 1 के अंतर्गत आय, आय का वितरण, शिक्षा और नौकरी संबंधी अवसरों की उपलब्धि शामिल है।
- पलिर 2 में अलग अलग सामाजिक समूहों की समाज में भागीदारी को शामिल किया गया है।
- पलिर 3 लोगों के जीवन की गुणवत्ता, आवासीय सामर्थ्य और शहरों के आधारभूत ढाँचे से संबंधित है।

स्रोत-द हद्दि

